an>

Title: Need to improve the service condition of Aanganwadi workers in the country.

श्री नाना पटोले (भंडारा-गोंदिया) ः देश में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत चलने वाली आंगनवाड़ियों की दशा में सुधार की अत्यंत आवश्यकता है। देश में लगभग 12 लाख आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए इमारतों का अभाव है। हालांकि सरकार ने इमारत निर्माण वास्ते निर्माण नियमावली में संशोधन करके केन्द्र वास्ते इमारत बनाने की योजना बनाई है, जिसकी कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है और इमारत निर्माण वास्ते सरकार द्वारा मनरेगा व आई.सी.डी.एस. से मदद लेने की बात सामने आई है।

देश की इन आंगनवाड़ियों में ग्रामीण क्षेत्र व दुर्गम क्षेत्रों के छोटे-छोटे बच्चों की देखभाल करने वाली महिलाओं को 6-6 महीने से वेतन भुगतान से वंचित रखा जाता है। आंगनवाड़ियों में काम करने वाले कार्यकर्ता समय से वेतन भुगतान न होने के बावजूद भी अपनी पूरी दक्षता, कर्तव्यनिष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करते रहते हैं। इन कर्मचारियों को सेवानिवृत्त के बाद पेंशन देने का प्रावधान नहीं है। कभी-कभी आंगनवाड़ियों में बच्चों को दिये जाने वाले पोषण आहार की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह लगते रहते हैं।

मैं सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि इन आंगनवाड़ियों में कार्यरत कर्मचारियों को अच्छे वेतनमान, नियमित पद व्यवस्था व समय पर वेतन भुगतान की व्यवस्था हो, जिससे यह कर्मचारी और अधिक परिश्रम के साथ देश के छोटे-छोटे बच्चों को सेवा प्रदान कर सकें।